सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गंभीर की पॉलिटि स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया पेज: 7

इंडो-हॉलीवुड प्रोजे ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 316 | बुधवार 25 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अमित शाह का मिशन सीमांचल: घुसपैठ-डेमोग्राफी पर पहली बार उच्च स्तरीय बैठक, 7 जिलों पर नजर

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 से 27 फरवरी तक बिहार के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घुसपैठ और अवैध धार्मिक निर्माण जैसे मुद्दों पर विशेष जोर देंगे। शीर्ष सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बिहार में अपनी तरह की पहली उच्च स्तरीय समीक्षा के रूप में वर्णित इस बैठक में, गृह मंत्री सीमांचल के सात जिलों किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल के जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ एक व्यापक बैठक की सीधी निगरानी करेंगे। भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश सीमाओं पर या उसके निकट स्थित ये जिले सीमा पार आवाजाही और आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से लंबे समय से संवेदनशील माने जाते रहे हैं। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि बैठक

किसान महाचौपाल से राहुल गांधी की हुंकार, 'पीएम मोदी में दम है तो अमेरिकी सौदा रद्द करके दिखाएं'

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस पार्टी मंगलवार को भोपाल में अमेरिकी व्यापार समझौते के विरोध में एक भव्य 'किसान महाचौपाल' का आयोजन किया। किसान महाचौपाल को वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने जमकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस साल इतिहास में पहली बार लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी गई। जैसे ही मैंने भाषण शुरू किया, मुझे बीच में ही रोक दिया गया। राहुल गांधी ने दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) ने एक किताब लिखी है जिसमें उन्होंने जिक्र

किया है कि जब चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुस रहे थे, तो उन्होंने राजनाथ सिंह को आदेश लेने के लिए फोन किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अजीत डोवाल और एस जयशंकर ने भी जवाब नहीं दिया... युद्ध का फैसला प्रधानमंत्री लेते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया, वे अपने कमरे में छिप गए और सेना प्रमुख से कहा कि वे जो चाहें करें... सेना प्रमुख ने लिखा है कि उस दिन भारतीय सरकार ने उन्हें अकेला छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि यानी- जब आर्मी चीफ को ऑर्डर देने और चीन को रोकने का समय आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गायब हो गए। गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पांच महीने तक रुका रहा क्योंकि इसमें कृषि और कृषि उत्पाद शामिल थे। भारत के

व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया

भोपाल में किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिका के दबाव में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया और उन्हें इस सौदे को रद्द करने की चुनौती दी। उन्होंने यह भी दावा किया

किसान, खेत मजदूर और यहां तक कि सरकार भी इसे नहीं चाहती थी। शाम को संसद से निकलने के बाद मोदी ने ट्रंप को फोन किया... उन्होंने झूठ बोला, यह बहाना बनाया कि कांग्रेस की महिला सांसद हमला करने वाली हैं, लेकिन इसके बजाय उन्होंने सीधे फोन किया और कहा कि वह समझौता करने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिका में एपस्टीन की लाखों फाइलें अटकी हुई हैं; ऐसे वीडियो और संदेश हैं जिन्हें जारी नहीं किया गया है। हरदीप पुरी का नाम उन्हें धमकाने के लिए जारी किया गया था। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अनिल अंबानी के साथ अपने संबंधों पर सफाई देनी चाहिए?... अडानी कोई छोटी कंपनी नहीं है; यह भाजपा की वित्तीय संरचना है। अडानी पर अमेरिका में आपराधिक आरोप हैं। वह अमेरिका या यूरोप नहीं जा सकते। अमेरिका में चल रहे मामले में निशाना मोदी हैं, अडानी नहीं... ये दो कारण थे जिनकी वजह से मोदी ने संसद से इस्तीफा दिया। उन्होंने संसद छोड़कर ट्रंप को फोन किया और कहा, 'सर, आप जो भी कहेंगे मैं करने को तैयार हूं', और उन्होंने देश को बेच दिया... नरेंद्र मोदी समझौता कर चुके हैं; उन्हें फंसाया गया और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। राहुल ने हुंकार भरते हुए कहा कि मैं इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देता हूं: चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस समझौते पर अपना फैसला सुना दिया है, इसलिए अमेरिका के साथ हुए समझौते को रद्द करें... इस समझौते में नरेंद्र मोदी ने देश का डेटा अमेरिका को सौंप दिया।

पश्चिम बंगाल में वोटर वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, ओडिशा-झारखंड से आएंगे जज

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को तीन साल के अनुभव वाले और सिविल जजों को तैनात करने और अगर जरूरत हो, तो झारखंड और ओडिशा के चीफ जस्टिस से मदद लेने की इजाजत दे दी, ताकि पश्चिम बंगाल में वोटर रोल के इलेक्शन कमीशन के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत ऑब्जेक्शन को वेरिफाई करने के लिए काफी ज्यूडिशियल मैनपावर पक्का हो सके। ये निर्देश चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने तब जारी किए, जब कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने मौजूदा टाइमफ्रेम के अंदर 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' कैटेगरी के तहत 50 लाख से ज्यादा ऑब्जेक्शन को वेरिफाई करने के

लिए अधिकारियों की कमी बताई थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि 250 ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को भी वेरिफिकेशन पूरा करने में लगभग 80 दिन लगेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि पहले से असाइन किए गए ऑफिसर्स के अलावा, कलकत्ता हाई कोर्ट तीन साल के एक्सपीरियंस वाले सिविल जजों को भी तैनात कर सकता है, और अगर और रिसोर्स की जरूरत हुई, तो कलकत्ता एचसी के चीफ जस्टिस झारखंड और ओडिशा से मौजूदा या रिटायर्ड ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को रिक्वेस्ट कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रैवल, बोर्डिंग और हॉनोरेरियम समेत खर्च इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया उठाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कलकत्ता एचसी के सीजे को लगता है कि और ह्यूमन रिसोर्स की जरूरत होगी, तो वह उड़ीसा और झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से उन राज्यों के मौजूदा और पुराने ज्यूडिशियल ऑफिसर्स के लिए संपर्क कर सकते हैं, जो तब पेंडिंग काम कर सकते हैं।

उस हालत में, आने-जाने, रहने, सैलरी और दूसरे खर्च ईसीआई उठाएगा। उड़ीसा और झारखंड के चीफ जस्टिस से रिक्वेस्ट है कि वे कलकत्ता सीजे की किसी भी रिक्वेस्ट पर विचार करें। ज्यूडिशियल मैनपावर बढ़ाने का मकसद आने वाले असेंबली इलेक्शन से पहले पश्चिम बंगाल में वोटर रोल पर आए ऑब्जेक्शन का समय पर और पूरी तरह से वेरिफिकेशन पक्का करना है।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला, केरल अब कहलाएगा 'केरलम', संसद में पेश होगा बिल

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति के बाद, भारत के राष्ट्रपति केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को केरल राज्य विधानसभा को संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत विचार-विमर्श हेतु भेजेंगे। केरल राज्य विधानसभा के विचार प्राप्त होने के बाद, भारत सरकार आगे की कार्रवाई करेगी और संसद में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने हेतु केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति की अनुशंसा प्राप्त की जाएगी। राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले नाम में यह बदलाव किया गया है, जिसकी

तारीखों की घोषणा अभी तक भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा नहीं की गई है। इसी वर्ष जनवरी में, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन को पत्र लिखकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' रखने के कदम का समर्थन किया था। बाद में चंद्रशेखर ने अपने पत्र का उत्तर देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और सोशल मीडिया पर उत्तर साझा करते हुए कहा कि 'केरलम' नाम राज्य के इतिहास, भाषा और जड़ों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसे पुनर्स्थापित करना हमारी विरासत को सम्मान देने की दिशा में एक कदम है। भाजपा और एनडीए हमेशा से केरल की परंपराओं, संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की कुछ राजनीतिक पार्टियों का इन मूल्यों और मान्यताओं का उल्लंघन करने का लंबा इतिहास रहा है। चंद्रशेखर ने कहा कि हमारे लिए, विकसित केरल, सुरक्षित केरल और आस्था की रक्षा सिर्फ नारे नहीं हैं। ये हमारा मिशन है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि केरल और उसके लोगों के हित में जो भी अच्छा होगा, उसका वे हमेशा समर्थन करेंगे।

अपने उत्तर पत्र में मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि राज्य का मूल नाम 'केरलम' था, जिसे ब्रिटिश शासन के दौरान प्रशासनिक सुविधा के लिए 'केरल' में बदल दिया गया था। पत्र में विजयन ने कहा कि उनके द्वारा किए गए परिवर्तनों को सुधारा जा रहा है और मूल नाम को बहाल किया जा रहा है। यह राज्य की संस्कृति के अनुरूप है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक का 'मास्टरस्ट्रोक', हर परिवार को मिलेंगे 10,000 रुपये!

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को जनता से कई वादे किए, जिनमें प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता, अधिक सब्सिडी और ऋण माफी शामिल हैं। इनका उद्देश्य परिवारों, नौकरी चाहने वालों, मछुआरों, बुनकरों और छोटे व्यापारियों को सहायता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की राहत सहायता दी जाएगी। रोजगार केंद्रों में पंजीकृत और नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे स्नातकों को 2,000 रुपये की मासिक सहायता मिलेगी। उच्च माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त कर चुके और रोजगार केंद्रों में पंजीकृत लोगों को 1,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। पलानीस्वामी ने वार्षिक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान मछुआरों के लिए अतिरिक्त सहायता की घोषणा भी की। राहत राशि, जो वर्तमान में

8,000 रुपये है, बढ़ाकर 12,000 रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि थाई पोंगल के दौरान हर साल वितरित किए जाने वाले उपहारों के अतिरिक्त 1,000 रुपये भी दिए जाएंगे। एआईएडीएमके नेता ने आगे कहा कि हथकरघा बुनकरों के लिए मुफ्त बिजली 300 यूनिट से बढ़ाकर 450 यूनिट कर दी जाएगी। बिजली से चलने वाले करघे बुनकरों के लिए मुफ्त बिजली की सीमा 1,000 यूनिट से बढ़ाकर 1,400 यूनिट कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि शहरी क्षेत्रों में फुटपाथ पर दुकानें चलाने वाले छोटे व्यापारियों द्वारा सहकारी बैंकों से लिए गए ऋण माफ कर दिए जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने गहन विशेष संशोधन के बाद तमिलनाडु की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी है। अद्यतन सूची के अनुसार, राज्य भर में मतदाता सूची से 74 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए हैं। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अर्चना पटनायक ने चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन आंकड़ों की घोषणा की। इससे पहले दिन में जिला निर्वाचन अधिकारियों ने भी अपने-अपने जिलों के लिए संशोधित आंकड़े जारी किए। कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 5.67 करोड़ हो गई है।

टीटीवी दिनाकरन का बड़ा ऐलान, तमिलनाडु चुनाव नहीं लड़ेंगे, बोले- एनडीए के साथ 'अम्मा' सरकार बनाना लक्ष्य

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर माहौल गरमा रहा है। ऐसे में अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कजगम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने मंगलवार को घोषणा की कि वे विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य पूर्व तमिलनाडु मुख्यमंत्री जे जयललिता के शासनकाल की शैली को संदर्भित करते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ गठबंधन में बिना किसी मतभेद के "अम्मा" सरकार का गठन सुनिश्चित करना है। पत्रकारों से बात करते हुए एएमएमके महासचिव ने कहा कि अम्मा के 99.9 प्रतिशत समर्थक एनडीए गठबंधन में एकजुट हो गए हैं ताकि राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) को हराया जा सके, जिसे उन्होंने जनविरोधी शासन करार दिया। उन्होंने कहा कि आज अम्मा के 99.9 प्रतिशत समर्थक एनडीए गठबंधन में एकजुट हो गए हैं। हम डीएमके के जनविरोधी शासन को हराने के लिए एक साथ आए हैं, जिसे हम एक बुरी ताकत मानते हैं। जो लोग अभी दूर हैं, वे निश्चित रूप से एआईएडीएमके गठबंधन में शामिल होंगे। दिनाकरन ने कहा कि राज्य में एनडीए काफी मजबूत हुआ है और सभी सहयोगी दल एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस अटकलबाजी को स्वीकार किया कि क्या पिछले नौ वर्षों से विभाजित रहे एएमएमके और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) चुनाव के लिए फिर से एकजुट हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज सच्चाई यह है कि अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कजगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम दोनों जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक पूरी तरह से

दिल्ली के एआई बैठक में हंगामा, युवा कांग्रेस के 8 नेता अरेस्ट, पुलिस बोली- यह एक 'गहरी साजिश' थी

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को पुष्टि की कि राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रेस ब्रीफिंग में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी क्राइम ब्रांच, देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें पुख्ता सबूत मिले हैं कि यह घटना गहरी साजिश के तहत की गई थी। श्रीवास्तव ने कहा कि अब तक की जांच के आधार पर हमें पुख्ता सबूत मिले हैं कि यह घटना गहरी साजिश के तहत हुई थी... इस मामले की आगे की जांच क्राइम ब्रांच की इंटरस्टेट सेल को सौंप दी गई है। विस्तृत जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि मामला क्राइम ब्रांच की अंतरराज्यीय प्रकोष्ठ को सौंप दिया गया है और इसके तहत विस्तृत जांच की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 61(2), 121(1),132, 190, 195(1), 221, 223(ए), 196, 197 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है...अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है...गिरफ्तार किए गए लोगों में भारतीय युवा कांग्रेस के पदाधिकारी भी शामिल हैं। सभी गिरफ्तार लोगों से पुलिस हिरासत में लेने के बाद पूछताछ की गई। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी गिरफ्तार किया गया है। 20 फरवरी को, भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजधानी में ऑल इम्पैक्ट इंडिया समिट के भारत मंडपम स्थल पर "समझौतावादी प्रधानमंत्री" के नारे लगाते हुए अपनी कमीजें उतारकर 'कमजोर प्रधानमंत्री' का प्रदर्शन किया। पुलिस ने तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2), 121(1), 132, 190, 195(1), 221, 223(ए), 196, 197 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

पीएम मोदी का विजन, अध्यक्ष ओम बिरला का एक्शन: 64 देशों संग बने संसदीय मैत्री

नई दिल्ली एजेंसी: समूहकेंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 24 फरवरी, 2026 को घोषणा की कि भारत की वैश्विक स्तर पर विधायी भागीदारी को मजबूत करने के लिए लोकसभा ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूह गठित किए हैं। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय कूटनीति को बढ़ावा देने के प्रस्ताव के बाद उठाया गया है। रिजिजू ने पर एक पोस्ट में बताया कि इन समूहों की औपचारिक स्थापना लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशनसिंदूर की सफलता के बाद, नरेंद्र मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए संसदीय मैत्री समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा था। माननीय अध्यक्ष ओम बिरला जी ने अब 60 से अधिक देशों के साथ इन समूहों का गठन कर वैश्विक लोकतांत्रिक संबंधों को मजबूत किया है। 18वीं लोकसभा के तहत, संसदीय मैत्री समूह (पीएफजी) दोनों सदनों के सभी दलों के सांसदों को एक साथ लाते हैं, जिसमें प्रत्येक देश को अन्य सदस्यों के साथ एक नामित समूह नेता सौंपा जाता है। नामित समूह नेताओं में श्रीलंका के लिए डी पुरंदेश्वरी (भाजपा), कजाकिस्तान

के लिए पूनमबेन हेमंतभाई मादम (भाजपा), जर्मनी के लिए संजय कुमार झा (जेडीयू) और न्यूजीलैंड के लिए सामिक भट्टाचार्य (भाजपा) शामिल हैं। अन्य नेताओं में स्विट्जरलैंड के लिए राजीव प्रताप रूडी (भाजपा), अर्जेंटीना के लिए अशोकराव चव्हाण (इंका) और दक्षिण अफ्रीका के लिए हेमा मालिनी (भाजपा) शामिल हैं। भूटान समूह का नेतृत्व बिप्लब कुमार देब (भाजपा), भारत-कैरीकॉम समूह का नेतृत्व मनोज तिवारी (भाजपा) और फिजी समूह का नेतृत्व के सुधाकर (भाजपा) कर रहे हैं। प्रमुख पश्चिम एशियाई और वैश्विक साझेदारों के लिए, सऊदी अरब समूह का नेतृत्व सुधांशु त्रिवेदी (भाजपा), इजराइल का भर्तृहरि महताब (भाजपा), त्रिनिदाद और टोबैगो का विवेक ठाकुर (भाजपा) और मालदीव का लावु श्री कृष्ण देवरायलू (टीडीपी) कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका समूह का नेतृत्व बैजयंत पांडा (भाजपा), कुवैत का कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी (भाजपा), थाईलैंड का दिलीप सैकिया (भाजपा) और रूस का निशिकांत दुबे (भाजपा) कर रहे हैं। मॉरीशस का प्रतिनिधित्व जगदंबिका पाल (भाजपा) और इथियोपिया का महेश शर्मा (भाजपा) कर रहे हैं। यूरोप में, अनुराग सिंह ठाकुर (भाजपा) यूरोपीय संघ संसद समूह का नेतृत्व करते हैं, गणेश सिंह (भाजपा) उज्बेकिस्तान के प्रमुख हैं, अरुण सिंह (भाजपा) चेक गणराज्य के प्रमुख हैं, भुवनेश्वर कलिता (भाजपा) नॉर्डिक देशों के प्रमुख हैं और परशोत्तम रूपाला (भाजपा) दक्षिण कोरिया के प्रमुख हैं। नाइजीरिया समूह के नेता एम. थंबीदुरई (एआईएडीएमके), पोलैंड के सुरेंद्र सिंह नागर (भाजपा), बुल्गारिया के काकोली घोष दस्तीदार (एआईटीसी), नेपाल के नीरज शेखर (भाजपा) और यूनाइटेड किंगडम के रवि शंकर प्रसाद (भाजपा) हैं।

लोकसभा ने भारत की वैश्विक विधायी भागीदारी और संसदीय कूटनीति को मजबूत करने के लिए 64 देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा स्थापित इन समूहों में सभी दलों के सांसद शामिल हैं

संपादकीय

शंकराचार्य बनाम साधु

तिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप अश्लील हैं कि उन्होंने और उनके शिष्य ने दो नाबालिग शिष्यों का यौन शोषण किया। जो आशुतोष ब्रह्मचारी नामक कथित साधु ने अदालत में शिकायत दर्ज की थी, वह भी एक और संन्यासी, कथित जगद्गुरु रामभद्राचार्य का शिष्य बताया जा रहा है। अदालत में जज के सामने धारा 164 के तहत नाबालिग शोषितों के बयान भी दर्ज करा दिए गए हैं। पॉक्सो की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। चूंकि मामला पॉक्सो का है, लिहाजा बेहद संवेदनशील है। क्या शंकराचार्य को जेल भी भेजा जा सकता है? यदि ऐसा हुआ, तो बड़ा धार्मिक वज्रपात होगा, क्योंकि शंकराचार्य कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि सनातन के शिखर-पुरुष हैं, सर्वोच्च धर्मगुरुओं में शामिल हैं। जिस साधु-संत के असंख्य श्रद्धालु हैं, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जिन्हें ह्यभगवानह्ल मान कर प्रणाम करते हैं, एक और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, शंकराचार्य के ही, बटुकों की शिखा खींचने को ह्यमहापापह्ल करार देते हैं और अपने आवास पर बटुकों का सम्मान करते हैं, उसी शख्स के शंकराचार्य होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाए थे। आश्चर्य है कि उप्र में यह क्या हो रहा है? हिंदुत्व और सनातन की कट्टर समर्थक, पैरोकार भाजपा की सरकार में सनातन-पुरुष पर ही घमासान क्यों मचा है?

जो अभी तक शंकराचार्य हैं, जिनके पदनाम पर सर्वोच्च अदालत ने अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है, जो शंकराचार्य सनातन के शिखर संतों में एक हैं और आदि शंकराचार्य की प्रतिमूर्ति हैं, उन्हें ही दुराचारी और बलात्कारी करार क्यों दिया जा रहा है? इन आरोपों की तुलना आसाराम बापू के केस से नहीं की जा सकती, क्योंकि उसमें बलात्कार की निरंतर पीड़िता नाबालिग कन्या के परिजनों ने भी शिकायतें दर्ज कराई थीं। मीडिया के सामने आकर दुष्कर्म-कथा सुनाई थी। आसाराम को ह्यभगवानह्ल मानने वालों की भी कमी नहीं थी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तक उनके ह्यभक्तह्ल थे। मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी की आस्था, श्रद्धा भी उनके प्रति थी। आसाराम कई सालों से जेल में हैं। बीते दिनों स्वास्थ्य आधार पर उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी।

चिंतन-मनन

कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमजोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है।

इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा।

बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो। राजा के इस दयालुता और शरण में आये हुए कि मदद करने की भावना को देखकर कबूतर अग्नि देव और बाज देवराज इन्द्र के रूप में प्रकट हुए। आसमान से फूलों की वर्षा होने लगी। देवराज इन्द्र ने कहा कि तुम ने धर्म की लाज रखी है। जो शरण में आये की रक्षा नहीं करता वह पापी है। कमजोर की सहायता न करने वाला भी अधर्मी है। दोनों देवताओं ने राजा शिवि को आशीर्वाद दिया और स्वर्ग चले गये।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

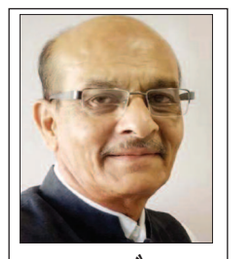

सनत जैन

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतिस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेंरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 'जीत' अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा। इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है। इस नेटवर्क को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है, जिस तरह से अभी कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के पश्चात जिस तरह के हालात मेक्सिको के बन गए हैं, उस चुनौती से निपटना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। अमेंरिका इस मामले में मेक्सिको की क्या मदद करता है, यह भी देखना होगा।

कचरे पर कड़ा रुखः न्यायपालिका के निर्देश और जमीनी सच्चाई

सुनील कुमार महला

ठोस कचरे का प्रबंधन आज के समय की एक बहुत बड़ी आवश्यकता बन चुका है। कहना गलत नहीं होगा कि आज लगातार बढ़ती जनसंख्या, बढ़ते शहरीकरण, औधोगिकीकरण और उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण धरती पर ठोस कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है, जिससे हमारे पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र, मानव व जीवों के स्वास्थ्य और विभिन्न संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। यदि इस कचरे का सही तरीके से संग्रहण, पृथक्करण, पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) और इसका समय रहते निपटान नहीं किया गया, तो नीले ग्रह(धरती पर) पर भूमि, जल और वायु प्रदूषण की समस्या और भी गंभीर हो सकती है।

वास्तव में, आज के समय में ठोस कचरे को बोझ नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना, जैविक कचरे से खाद बनाना, प्लास्टिक और अन्य पदार्थों का पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) करना तथा जन-जागरूकता बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए ठोस कचरे का प्रभावी प्रबंधन केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह तो प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब समाज और प्रशासन मिलकर प्रयास करेंगे, तभी सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) और स्वच्छ पर्यावरण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस क्रम में

हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने 19 फरवरी को यह आदेश सुनाया। दरअसल, यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने यह बात कही है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं।कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा अब नहीं तो कभी नहीं और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापौरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार लीड फैसिलिटेटर बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियाँ सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए और इन्हें सभी राज्यों की स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाए।अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुमार्ना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी इसके दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि 1 अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना।ये सभी निर्देश इसलिए दिए गए हैं ताकि 1 अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

अंत में यही कहूंगा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है। समाधान के लिए सख्त नियम लागू करना, जनजागरण, अधिकारियों की जवाबदेही और बेहतर शहरी अवसंरचना निवेश अनिवार्य हैं, तभी कचरा-मुक्त भारत का लक्ष्य संभव हो पाएगा।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दशार्ता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी डॉ. भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

समाज को एकजुट रखने का लिया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की आगामी जयंती को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में मंगलवार को 'डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर' की एक महत्वपूर्ण बैठक मोहल्ला खेवान स्थित जगवीर सिंह मौर्य के प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई। इस बैठक में जयंती समारोह को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति तैयार की गई और सामाजिक एकता पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेसी नेता जयपाल सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ शिक्षक विनोद कुमार गौतम द्वारा किया गया। बैठक की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में आगामी अंबेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयपाल सिंह ने कहा, "डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग के नेता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के मार्गदर्शक हैं। उनकी जयंती हमारे लिए किसी पवित्र त्योहार से कम नहीं है। हमें उनके विचारों को घर-घर तक पहुँचाना है और इस पर्व को पूरे हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाना है।"उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बाबा साहेब ने जिस शिक्षित और संगठित समाज का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए हमें उनके बताए रास्तों पर चलना होगा। बैठक के दौरान वक्ताओं ने समाज में बढ़ते वैमनस्य और आपसी मतभेदों पर चिंता जताई। समिति के पदाधिकारियों ने आह्वान किया कि समाज में बिखराव पैदा करने वाले लोगों और असामाजिक तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है। वक्ताओं ने कहा कि कुछ लोग स्वार्थवश समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसी ताकतों को पहचान कर उनसे दूरी बनाना ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। एकता और भाईचारा ही हमारी असली ताकत है। आगामी जयंती के अवसर पर हसनपुर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विचार गोष्ठियों और शोभायात्रा निकालने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आयोजन समिति के गठन और जिम्मेदारियों के बँटवारे को लेकर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से रामवीर सिंह (अध्यक्ष, अखिल भारतीय अंबेडकर संघ), विनोद कुमार गौतम (महामंत्री), महीपाल सिंह, ग्राम प्रधान लता सागर, चमनलाल एडवोकेट, सतेन्द्र पाल एडवोकेट, रामनारायण, गोपीचंद, चन्द्रभान सिंह, संजय सिंह, चमनलाल अमीन,अतर सिंह नेताजी,रामपाल सिंह, पवनराज जाटव,अरविंद कुमार अन्ना, डॉ महेश सिंह,विजय गौतम, जगवीर सिंह मौर्य, धर्मवीर सिंह पंडित जी,मुकेश जाटव, अजब सिंह एडवोकेट, करणवीर सिंह, जसवंत सिंह,रूपराम सिंह, मलखान सिंह,मुरारीलाल मौर्य दिनेश कुमार,सोम सिंह, सुरेश सिंह, विजय कुमार,मनोज कुमार, रोहताश सिंह,लवी सागर, चन्द्रपाल सिंह, मुखराम सिह,नवाब सैफी,बदन सिंह,प्रीतम सिंह मौर्य, अमित हाली,कमल सिंह, जगदीश कुमार, जयपाल सिंह, ब्रजकिशोर, दिनेश जाटव, बिजेंद्र सिंह, कपिल कुमार, मुकुल सागर,जंगबहादुर, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

धनौरा में किस्म पहचान विवाद पर भाकियू (असली) का प्रदर्शन,हाईवे किया जाम

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में गाना किस्म की पहचान को लेकर और मिल प्रबंधन के बीच विवाद गहरा गया है। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (असली) के कार्यकताओं ने तहसील के सामने बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। किसानों ने गन्ना विभाग और मिल प्रशासन पर तानाशाही का आरोप लगाया।यह विवाद गन्ना किस्म 05009 और 05011 की पहचान से संबंधित है। यूनियन का आरोप है कि मिल प्रबंधन जानबूझकर 05009 किस्म को 05011 बता रहा है, जबकि किसान इसे 'अगैती प्रजाति' (Early Variety) का गन्ना बताते हैं।गन्ना विभाग अमरोहा ने मुजफ्फरनगर के वैज्ञानिकों से इसकी जांच कराई थी। हालांकि, किसानों ने इस जांच रिपोर्ट को 'फर्जी' करार देते हुए इसे सार्वजनिक करने की मांग की है।यूनियन ने 9 फरवरी की बैठक में ही प्रशासन को सड़क जाम करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद, प्रदर्शन स्थल पर गन्ना विभाग का कोई भी सक्षम अधिकारी नहीं पहुँचा। आक्रोशित किसानों का कहना है कि जब तक उच्चाधिकारी मौके पर आकर रिपोर्ट की सच्चाई स्पष्ट नहीं करते, प्रदर्शन जारी रहेगा।मंगलवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण गजरौला चांदपुर मार्ग पर भारी भीड़ थी, जिससे जाम के कारण राहगीरों और स्कूली बच्चों को परेशानी हुई। सूचना मिलते ही बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर और धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे।तहसीलदार मूसा राम थारु भी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया। खबर लिखे जाने तक किसानों को सड़क से हटाकर वार्ता के लिए ब्लॉक परिसर में बुलाया गया था, जहां तहसीलदार यूनियन के नेताओं से बातचीत कर रहे थे।धरने का नेतृत्व डूंगर सिंह, जसपाल सिंह, कामिल, जगदीश यादव, फतेह सिंह, रामवीर सिंह, नरेश चौधरी, जुल्फीकार मलिक और सचिन कौशिक सहित दर्जनों कार्यकताओं ने किया।

उत्कृष्ट गौसंरक्षण कार्यों के लिए प्रभारी मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने डीएम-सीडीओ को किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश गौ-धन समागम-2026 का आयोजन दुग्ध विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जनपदों में से निराश्रित गौवंश संरक्षण, गौशाला संचालन एवं प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तथा गौशाला संचालक /ग्राम प्रधान को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में अपर मुख्य सचिव दुग्ध विकास मुकेश मेश्राम, दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के.जी. तथा निदेशक (प्रशासन एवं विकास), पशुपालन विभाग डॉ. मेघपाल सिंह की मौजूदगी में अमरोहा की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त तथा अस्थायी गौ-आश्रय स्थल डिंगरा ब्लॉक धनौरा की संचालक/प्रधान अमीर जहां को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी राजकीय कार्यों की व्यस्तता के कारण कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके। अतः उनके सम्मान चिन्ह मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त द्वारा प्राप्त किए गए।स्थानीय स्तर पर सम्मान समारोह मंगलवार को प्रभारी मंत्री के.पी. मलिक , अध्यक्ष, जिला पंचायत ललित सिंह तंवर , शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लों , विधायक, हसनपुर महेंद्र सिंह खड़ागवंशी तथा जिला अध्यक्ष भाजपा उदय गिरी गोस्वामी द्वारा पशुपालन विभाग एवं दुग्ध विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गौ-धन समागम समारोह में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स , मुख्य विकास अधिकारी ए.के. मिश्र तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त को कलेक्ट्रेट में अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं गौ-माता का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर सराहन की गई। विगत 2 वर्षों में जनपद के अधिकारियों द्वारा सराहनीय प्रयासों से 10 नवीन गौ-आश्रय स्थलों का संचालन शुरू कराया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को निराश्रित गौवंश की समस्या से काफी राहत मिली है। अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे गौ-माता को कभी निराश्रित न छोड़ें। प्रभारी मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने निराश्रित गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट नवाचारों और अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्पूर्ण अमरोहा टीम की खुलकर प्रशंसा की। प्रदेश स्तर पर व्यापक मूल्यांकन के उपरांत मात्र पांच जिले अमरोहा, जालौन, अलीगढ़ हरदोई एवं रायबरेली को सम्मान मिला। सम्मान के लिए चयन का आधार गौआश्रय स्थलों का सुदृढ़ संचालन, पशुओं की समुचित देखभाल, पोषण एवं उपचार की बेहतर व्यवस्था, पारदर्शी प्रबंधन प्रणाली एवं नवाचार आधारित कार्यप्रणाली रही।

ईओ डॉ. बृजेश कुमार का बड़ा फैसला, सरकारी दफ्तरों पर भी टैक्स, डीएम एसपी ने खुद की पहल

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की सरकार कही जाने वाली नगर पालिका परिषद अमरोहा में पहली बार ऐसा कदम उठाया गया है जब सरकारी कार्यालयों पर भी हाउस टैक्स और वाटर टैक्स की वसूली शुरू की गई है। पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार के इस फैसले ने न सिर्फ प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा की है बल्कि नगर निकाय की कार्यशैली को लेकर नई मिसाल भी पेश की है। खास बात यह रही कि पहल का संदेश देने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने कलेक्ट्रेट परिसर का टैक्स जमा कराया जबकि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भी अपने कार्यालय से टैक्स जमा कर व्यवस्था के प्रति सकारात्मक संकेत दिया। पालिका ईओ डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद अमरोहा ने राजस्व बढ़ाने और वित्तीय अनुशासन मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम उठाया है। लंबे समय से सरकारी भवनों पर बकाया चल रहे करों की वसूली को लेकर चर्चा होती रही, लेकिन अब इसे अमल में लाकर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि नियम सबके लिए समान हैं। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वयं आगे बढ़कर टैक्स जमा कराना आम नागरिकों के लिए भी प्रेरक संदेश माना जा रहा है। डॉ. बृजेश कुमार की कार्यशैली पिछले कुछ समय से जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर चर्चा में रही है। शिकायतों के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई, साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार, राजस्व वसूली में पारदर्शिता और विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के चलते उन्होंने शहर में अलग पहचान बनाई है। चेयरपर्सन के साथ समन्वय स्थापित कर पालिका द्वारा शहर में चहुंमुखी विकास कार्य कराए जा रहे हैं जिनमें सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। इसी क्रम में जर्जर हो चुके पालिका भवन के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू कराई गई है। इसके लिए लगभग छह करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है जिससे आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन तैयार किया जाएगा। इससे न केवल कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा बल्कि आम नागरिकों को भी सुविधाजनक सेवाएं मिल सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में शहर में स्ट्रीट डॉग्स की बढ़ती समस्या के समाधान हेतु एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। इससे आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के साथ-साथ उन्हें मानवीय तरीके से संरक्षण दिया जा सकेगा। वहीं सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए गरीब परिवारों के लिए कल्याण मंडप का निर्माण भी कराया गया है जहां जरूरतमंद परिवार कम खर्च में वैवाहिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे। नगरपालिका परिषद अमरोहा की इन पहलों को प्रशासनिक सख्ती और विकासपरक सोच का मिश्रण माना जा रहा है।

राष्ट्र सेविका समिति की महिला सदस्यों ने मनाया होली मिलन का त्यौहार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में राष्ट्र सेविका समिति नगर इकाई की बहने मंगलवार की दोपहर बाद नगर के अवंतिका पार्क में एकत्र हुई सभी बहनों ने एक दूसरे को गुलाल लगाया और फूलों से होली खेली सभी बहनों ने एक दूसरे पर जमकर फुल बरसाए और होली के गीतों पर जमकर थिरकी। इस मौके पर राष्ट्र सेविका समिति की नगर कार्यवाहिका निशा सिंह ने कहा कि होली समरसता का त्यौहार है होली मिलन से समाज में समरसता का संदेश जाता है होली पर ऊच नीच का सब भेद मिट जाता है उन्होंने सभी बहनों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि महिलाओं को कुटुंब प्रबोधन के लिए कार्य करना चाहिए उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए एक साथ मिलकर कार्य करने की अपील की। इस मौके पर सभी बहनों ने एक दूसरे को गुजिया वह मिठाई खिलाई इस मौके पर गीता गोयल विनीता गर्ग रचना सिंघल अनामिका चौधरी नीतू सिंह प्रगति भारद्वाज आंचल चाहल, अंजलि सिंघल रचना अग्रवाल सुमन, मान्या, कनिका आदि मौजूद थी।

चेयरपर्सन ईओ की संयुक्त कार्यशैली से बदल रही शहर की तस्वीर

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा में विकास कार्यों को नई रफ्तार देने के साथ प्रशासनिक अनुशासन स्थापित करने की दिशा में चेयरपर्सन और अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार की संयुक्त कार्यशैली चर्चा में है। दोनों के समन्वय से शहर में योजनाओं को सिर्फ कागजों तक सीमित न रखकर धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। चेयरपर्सन की पहल पर विकास कार्यों की प्राथमिकताएं तय की गईं वहीं ईओ स्तर से उनकी मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को गति दी गई। इसका परिणाम है कि लंबे समय से लंबित कई कार्य अब तेजी से पूरे हो रहे हैं। जर्जर हो चुके पालिका भवन के पुनर्निर्माण के लिए करीब छह करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कराया गया है। प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से लेकर स्वीकृति और कार्य प्रारंभ कराने तक दोनों की सक्रिय भूमिका बताई जा रही है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बनने के बाद नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। शहर में साफ-सफाई, नाली निर्माण, सड़कों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में सुधार के लिए विशेष अभियान चलाए गए। चेयरपर्सन द्वारा नियमित फील्ड निरीक्षण और ईओ द्वारा त्वरित निदेशों के कारण जनसमस्याओं के निस्तारण में तेजी आई है। शिकायतों के समाधान की सक्रिय व्यवस्था ने पालिका की छवि को सकारात्मक बनाया है। शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रमुख चौराहों और मार्गों को रंगबिरंगी व डेकोरेटिव लाइट्स से सजाया गया है। त्योहारों और विशेष अवसरों पर इसकी चमक अलग ही दिखाई दे रही है। नगर पालिका परिषद अमरोहा में चेयरपर्सन और ईओ की समन्वित कार्यशैली को शहर में विकास और अनुशासन के संतुलित मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। आमजन के बीच यह चर्चा है कि योजनाओं की गति और क्रियान्वयन की गंभीरता ने शहर की तस्वीर बदलने की दिशा में ठोस संकेत दिए हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत,भानपुर रेलवे फाटक के निकट की घटना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना से मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई ,उधर सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें कि मंगलवार को भानपुर रेलवे फाटक के निकट एक युवक अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शव को रेलवे ट्रैक से हटवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान बंटी उर्फ मनीष (47 वर्ष), पुत्र रविंद्र अग्रवाल, निवासी मोहल्ला जवाहर नगर, गजरौला, जिला अमरोहा के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से कटकर मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के कारणों की स्पष्ट जानकारी के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। जीआरपी और स्थानीय पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल में जुटी हैं।

राज्यमंत्री केपी मलिक जी की अध्यक्षता में हुई जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक जनपद भ्रमण के दौरान सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगण ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यमंत्री के0पी0 मालिक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक आयोजित कर अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जनपद के विकास को गति देते हुए जनपद को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की। साथ ही विकास कार्यों की प्रगति, जनसुविधाओं के विस्तार तथा जिले से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सार्थक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी , जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी जी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राज्यमंत्री ने जिले में चल रही विकास योजनाओं, कानून व्यवस्था की स्थिति एवं विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़े प्रत्येक कार्य में तत्परता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता सरकार की प्राथमिकता है, इसका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। राज्यमंत्री केपी मलिक ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति दी जाए, ताकि योजनाओं का लाभ आमजन तक समयबद्ध ढंग से पहुँच सके। सरकार की प्राथमिकता जनता के हित से जुड़े कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयसीमा के भीतर पूरा कराना है। विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अंतर-विभागीय समस्याओं का समाधान करना और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उत्कृष्ट गौसंरक्षण कार्यों के लिए मंत्री द्वारा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं सीवीओ डॉ0 आभा दत्त को लखनऊ में मिले स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनकी सराहना की गई। प्रदेश के 75 जनपदों में से निराश्रित गौ वंश संरक्षण तथा गौशाला संचालन और प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 जनपदों के अधिकारियों को यह सम्मान मिला है, जिसमें जनपद अमरोहा भी शामिल है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई, अस्वच्छ हालात में मिले रसगुल्ले कराए गए नष्ट

हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- होली पर्व के मद्देनजर जिलाधिकारी के निर्देशन में खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को प्रवर्तन दल ने कई खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने ग्राम मोहम्मदपुर मालिनी, थाना हजरतनगर गढ़ी स्थित आसिम पुत्र नोशे खान व इलियास पुत्र नन्हे खान तथा ग्राम मंगनपुर स्थित शान ए आलम की रसगुल्ला निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सफेद रसगुल्ला का भंडारण अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में पाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए लगभग 225 किलोग्राम सफेद रसगुल्ले को नष्ट कराया। साथ ही जांच के लिए तीन नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधितों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में मानवेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य) एवं राजीव कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सहित विभागीय टीम मौजूद रही। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि त्योहार के दौरान खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की मिलावट की सूचना विभाग को दें।

कौशल विकास,आई टी आई एवं पॉलीटेक्निक की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में कौशल विकास,आई टी आई एवं पॉलीटेक्निक की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें जनपद में आवंटित कौशल प्रशिक्षण लक्ष्य एवं पीएम विश्वकर्मा, अप्रेंटिसशिप की प्रगति की समीक्षा की गयी कौशल विकास के प्रशिक्षण, विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के निजी आई टी आई एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजो की लैब का निरीक्षण किया जाए एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को भी विस्तार पूर्वक देखा जाए। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करने करने के निर्देश दिए गए इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला समन्वयक/ प्रधानाचार्य आई टी आई सम्भल स्तुति गुप्ता प्रधानाचार्य,आई टी आई चंदौसीजिला कौशल प्रबंधक पवन सिंह भदौरिया एवं समस्त प्रशिक्षण प्रदाता उपस्थित रहे

एसपी कृष्ण कुमार ने थाना सम्भल का किया वार्षिक निरीक्षण, अभिलेख व व्यवस्थाएं परखी

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा मंगलवार को थाना सम्भल का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर का भ्रमण कर कार्यालय, हवालात, बैरक, मालखाना और शस्त्रागार का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को शस्त्रों की हैंडलिंग कराकर आवश्यक जानकारी दी गई। बैरक का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। थाना परिसर में खड़ी गाड़ियों को डंपिंग यार्ड में व्यवस्थित रूप से खड़ा करने तथा सीसीटीवी कैमरों का संचालन सही ढंग से सुनिश्चित करने को कहा गया। एसपी ने थाना पर आने वाले आगंतुकों के लिए उचित व्यवस्था बनाए रखने और उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। महिला हेल्प डेस्क अभिलेख, महिला बीट रजिस्टर, अपराध रजिस्टर सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की गहन जांच की गई। साथ ही प्रचलित ऐप्स, विशेषकर यक्ष ऐप, के संबंध में अद्यतन जानकारी ली गई। अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी के दौरान थाना क्षेत्र के बाजार, सराफा दुकानों, चौराहों, गलियों और नुक्कड़ों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंक और एटीएम चेकिंग, मुख्य चौराहों, सड़कों, ढाबों, होटलों, बस स्टैंड, पेट्रोल पंप और अन्य संवेदनशील स्थानों पर नियमित जांच व रात्रि गश्त सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आमजन से शालीन व्यवहार रखते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) जनपद सम्भल, लिंक अधिकारी क्षेत्राधिकारी असमोली सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जीर्णोद्धार व साइबर सेल के नए कार्यालय का उद्घाटन, एसपी ने फीता काटकर किया लोकार्पण

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस व्यवस्थाओं को आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने थाना सम्भल के नवनिर्मित/जीर्णोद्धारित कार्यालय का लोकार्पण किया। साथ ही थाना परिसर में स्थापित नए साइबर सेल कार्यालय का भी विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान एसपी ने थाना परिसर का निरीक्षण किया और कार्यालयों की संरचना, बैठने की व्यवस्था, अभिलेख कक्ष, जनसुनवाई कक्ष एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि थाना कार्यालय का जीर्णोद्धार पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करेगा, जिससे कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और आमजन की समस्याओं के निस्तारण में तेजी आएगी। उन्होंने विशेष रूप से साइबर सेल कार्यालय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में सुसज्जित साइबर सेल की स्थापना से ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया अपराध, बैंक फ्रॉड और अन्य डिजिटल अपराधों की प्रभावी जांच संभव हो सकेगी। इससे आमजन को त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी तथा साइबर अपराधियों पर अंकुश लगेगा। एसपी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग करें तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आम जनता को भी समय-समय पर जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि थाना स्तर पर मजबूत आधारभूत संरचना पुलिस की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाती है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) जनपद सम्भल कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों से संवाद कर उन्हें बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने और जनसेवा की भावना से कार्य करने का संदेश दिया।

रामपुर में पत्रकार पर हमले के विरोध में बहजोई में प्रदर्शन, डीएम-एसपी को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित जिला मुख्यालय पर मंगलवार को जिले भर के पत्रकारों ने प्रदर्शन कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह प्रदर्शन 21 फरवरी को भारत समाचार के पत्रकार सुनील राघव पर रामपुर जनपद में हुए हमले के विरोध में किया गया। पत्रकारों का आरोप है कि 21 फरवरी को रामपुर में कुछ दबंगों ने सुनील राघव पर हमला कर दिया था। मामले में रामपुर में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, लेकिन हमलावरों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग को लेकर पत्रकारों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। बताया गया कि पीड़ित पत्रकार संभल जनपद के गांव भवन के निवासी हैं। इस घटना से पत्रकार समाज में रोष व्याप्त है। प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा सुनील राघव की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने सभी पत्रकारों को आश्वस्त किया कि मामले में उचित और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी तथा पीड़ित को हरसंभव सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे और उन्होंने एक स्वर में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग है।

हसनपुर में भाकियू शंकर का हल्ला बोल धरना प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर तहसील परिसर में मंगलवार को मास्टर राकेश चौहान की अध्यक्षता वह कैप्टन वीर सिंह के संचालन में तहसील परिसर पर भारतीय किसान शंकर का प्रदर्शन शुरू हुआ ।जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि ग्राम डोमखेड़ा में निमार्णाधीन 33/11 बिजली घर को जाने वाला रास्ता नक्शे में 10 मीटर है मौके पर बहुत ही संकरा है, संगठन के लगातार तहसील व जिला स्तर पर प्रयास के बाद भी तहसील प्रशासन रास्ते का चौड़ीकरण नहीं कर पा रहे हैं, संगठन का विस्तार करते हुए ज्योति चौहान को तहसील अध्यक्ष महिला मोर्चा मनोनीत शपथ दिलाई गई अंत में कार्यकारिणी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन उपजिलाधिकारी, हसनपुर के माध्यम से प्रेषित किया गया, जिसमें तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा की गंभीर जनहित एवं किसानहित समस्याओं को उठाया गया ।ज्ञापन में मुख्य रूप से आवारा कुत्तों एवं छुट्टा गोवंश के बढ़ते आतंक, किसानों की फसलों को हो रही क्षति, चकबंदी प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार, ग्राम समाज भूमि पर अवैध कब्जे, किसान क्रेडिट कार्ड में बैंकों की मनमानी, प्राकृतिक खेती को उचित मूल्य न मिलना, विद्युत आपूर्ति की अनियमितता, हसनपुर-अतरासी चौराहे पर जाम की समस्या तथा हसनपुर चीनी मिल के विस्तारीकरण की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही ।संगठन ने मांग की है कि 200 यूनिट तक घरेलू विद्युत आपूर्ति शुल्क मुक्त की जाए, प्रतिदिन 10 घंटे निर्बाध बिजली दी जाए तथा भूमाफियाओं से भूमि मुक्त कर गौशालाओं हेतु सुरक्षित की जाए। साथ ही गन्ना किसानों की घटतौली पर तत्काल रोक लगाने और चकबंदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की गई ।संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।प्रदर्शन के दौरान मौके पर चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश रतनपुर चौधरी, नेमपाल सिंह, नेतराम सैनी प्रधान, लोकेश चौहान ,जगत सिंह सैनी, चौधरी नरेश खारी,विक्रम पवार, मोजीरामपाल, सुखबीर भगत, मोनू चौधरी, मदन सैनी, माजगत सिंह,मुकुट लाल सैनी, राजपाल सैनी, मौ अहसान, प्रधान हरि सैनी सत्य प्रकाश इफ्तार उवेश, ओमपाल गोविंदा अमर सिंह चौधरी हरपाल सिंह,भारत राम, विनोद ,रामस्वरूप ,वीर सिंह सैनी ,शिवनाथ सिंह चंद्रपाल कौशल सैनी मौअख्तब, बबीता रानी ज्योति चौहान बीना शर्मा मुन्नी शर्मा विमला देवी इंद्रावती सैनी रूपवती सत्य कृष्णा दीपिका बृजेश चौहान बुकेश चौहान सरोज सैनी आदि सैकड़ो कार्यकर्ता किसान मौजूद रहे।

सूफी हजरत मौलाना खुर्शीद हुसैन वारसी रह. का सालाना उर्स मुबारक अकीदत के साथ सम्पन्न

संभल(सब का सपना):- पूर्व शहर इमाम संभल, सूफी संत मौलाना खुर्शीद हुसैन वारसी रह. का सालाना उर्स मुबारक पारंपरिक रस्मों और अकीदत के साथ शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। उर्स के अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने दरगाह पहुंचकर हाजिरी दी और दुआओं में हिस्सा लिया। चंदौसी-सम्भल मार्ग स्थित दरगाह अंजुमने वारसिया सैफ खां सराय में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उर्स के मौके पर नात-ओ-मनकबत, कुरानखानी, सलातो-सलाम, लंगर और तबर्रुक वितरण की रस्में अदा की गईं। अकीदतमंदों ने चादरपोशी कर सूफी संत को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। दोपहर के समय कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर शहर इमाम मौलाना आफताब हुसैन वारसी ने उर्स की रस्म अदा कराते हुए मुल्क और शहर में अमन-ओ-शांति, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में सूफी खुर्शीद मियां की धार्मिक, सामाजिक और मानवीय सेवाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि मौलाना खुर्शीद हुसैन वारसी ने हमेशा मोहब्बत, सद्भाव और इंसानियत का पैगाम दिया तथा लोगों को आपसी भाईचारे के साथ रहने की सीख दी। उर्स में क्षेत्र के गणमान्य लोग और दूर-दराज से आए जायरीन मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में दरगाह अंजुमने वारसिया के प्रबंधक मेहताब हुसैन वारसी ने सभी अकीदतमंदों और मेहमानों का आभार व्यक्त किया तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वालों का धन्यवाद किया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बालिकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत मंगलवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रजपुरा व गोविंद बल्लभ पंत उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का सामना करने में सक्षम हों। प्रशिक्षक सुरेश कुमार व महिला खिलाड़ी श्रष्टि, रितेश, व ब्रजेश ने छात्राओं को टर्निंग हाई किक, फेस किक, कट की ट्रेनिंग दी। सुरेश कुमार ने बताया कि सभी छात्राएं बड़ी ही लगन से मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण ले रही हैं। तथा दिन प्रतिदिन खुद को मजबूत महसूस कर रही हैं। तथा मार्शल आर्ट के प्रशिक्षण से बालिकाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया, जिससे बालिकाओं/ महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र महिलाओं/बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण से संबंधित बैठक का किया गया आयोजन

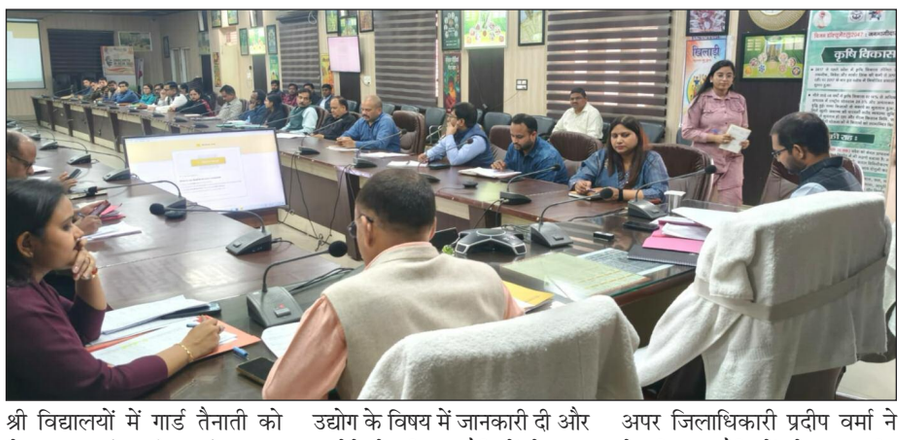

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर संदीप चड़ढा द्वारा पूर्व बैठक में रखे गये प्रकरण पर क्या कार्यवाही हुई उसके विषय में अवगत कराया। बैठक में सैनिक बंधुओ के द्वारा अपनी-अपनी समस्या उठाई गई उसके विषय में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्या का निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। बैठक के अन्तर्गत आर्म्स लाइसेंस, मोबाइल कैंटीन, पट्टे की श्रेणी में बदलाव, अनाज मंडी में दुकान आवंटन, भूमि से संबंधित मामले आदि पर चर्चा की गयी। पीएम श्री विद्यालयों में गार्ड तैनाती को लेकर चर्चा की गई अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति सैनिकों से के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के विषय में जानकारी दी और उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिकों से कहा कि सरकार की योजनाओं का ग्रामीण स्तर पर प्रचार प्रसार करें ताकि लोग सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकें और लाभ उठा सकें। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने सेवानिवृत्त सैनिकों से कहा कि राजस्व विभाग एवं विकास विभाग एवं अन्य किसी विभाग से समस्या है तो उसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। एनडीआरएफ टीम से सहायक उप निरीक्षक सत्यवान शर्मा के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम के द्वारा भूकंप एवं प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए रिहर्सल किया। इसके उपरांत सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय गान गाया किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी सीपी सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संदीप चड्ढा, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद के जिलाध्यक्ष हरप्रसाद यादव, गौरव यादव, रविन्द्र कुमार, राजकुमार शर्मा, रणवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

नगीना में होली व ईद को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी होली और ईद पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अवनीश मान ने की। बैठक में श्री मुक्तेश्वर नाथ मंदिर के प्रबंधक सलिल अग्रवाल, मुकेश आले अग्रवाल एवं प्रमोद चौहान ने होली पर्व के कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को द्वादशी के अवसर पर गीले रंग का जुलूस निकाला जाएगा। 3 मार्च को होलिका दहन के साथ भगवान नरसिंह का जुलूस निकलेगा तथा 4 मार्च को दुल्हनडी पर गुलाल एवं गीले रंग का जुलूस निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी सभी जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकालने में पुलिस प्रशासन एवं जिम्मेदार नागरिकों का सहयोग लिया जाएगा। थाना प्रभारी अवनीश मान ने कहा कि होली हो या ईद, सभी त्योहार आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी से एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्व मनाने की अपील की। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले शरारती तत्व बख्शे नहीं जाएंगे। जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरों से की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की शरारत करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज खलील ने कहा कि यह शहर हम सभी का है और इसकी शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि होली और ईद के अवसर पर नगर क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा तथा पथ प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में मुफ्ती ओवैस अकरम, जाहिर पहलवान, सौरभ मित्तल, मुकेश कुमार, राजकुमार बिश्नोई, गोपाल शर्मा, ब्रिजमोहन उर्फ बली बिश्नोई, सिद्दीकी मुल्तानी, कपिल पवार सहित सभासद एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगीनाझ्रबूंदकी मार्ग पर तिराहे का चौड़ीकरण शुरू, दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नगीनाझ्रबूंदकी मार्ग के तिराहे पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। कार्य प्रारंभ होते ही क्षेत्रवासियों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार, नगीनाबूंदकी मार्ग पर स्थित सिद्धार्थ पेट्रोल पंप के पास सड़क संकरी होने के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे थे। तिराहे पर मुड़ते समय वाहनों को दिक्कत का सामना करना पड़ता था, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। स्थानीय लोगों द्वारा लंबे समय से सड़क चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। पीडब्ल्यूडी विभाग ने मशीनों और मजदूरों की सहायता से दोनों ओर सड़क को चौड़ा करने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए अस्थायी प्रबंध भी किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। चौड़ीकरण के बाद बड़े वाहनों को मोड़ने और ओवरटेक करने में सुविधा होगी,

जिससे जाम और टकराव की स्थिति कम होगी। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यह कदम लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान करेगा और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा।

बुजुर्ग से की मारपीट के मामले में एसपी पूर्वी के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी

अफजलगढ़ / बिजनौर (सब का सपना):- अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लीचन्दपुर में एक बुजुर्ग के साथ कथित सामूहिक मारपीट और सार्वजनिक अपमान का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पीड़ित ने ग्राम प्रधान और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित तसलीम अहमद का आरोप है कि उन्होंने हाल ही में धामपुर तहसील में आयोजित ह्लसम्पूर्ण समाधान दिवसह्व में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे और सरकारी धन के दुरुपयोग को लेकर लिखित शिकायत दी थी। इसके बाद से गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया था। तसलीम अहमद के अनुसार, गांव लौटते ही ग्राम प्रधान रमेश सिंह के पक्ष के लोगों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि प्रधान का भतीजा आनन्द कुमार, जो स्वयं को बीएसएफ कर्मी बताता है, अपने साथियों अर्जुन, राजीव और दुष्यंत के साथ मौके पर पहुंचा। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी, फिर सामूहिक रूप से मारपीट की। उन्हें जमीन पर गिराकर दाढ़ी खींची गई और सरेआम अपमानित किया गया। घटना के दौरान एक व्यक्ति के तमंचा लहराने का भी आरोप लगाया गया है, जिससे गांव में भय का माहौल बन गया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव से मुलाकात कर लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसपी पूर्वी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अफजलगढ़ पुलिस को मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित पक्ष ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

8 साल पुराने बैनामे के बावजूद इंसाफ को भटक रहा अशोक कुमार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद की सदर तहसील क्षेत्र के गांव शकूरपुर, परगना मंडावर में एक किसान ने वन विभाग पर उसकी कृषि भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। किसान अशोक कुमार का कहना है कि विधिवत बैनामा होने के बावजूद पिछले दो वर्षों से वह अपनी ही जमीन पर खेती नहीं कर पा रहे हैं। अशोक कुमार के अनुसार, उन्होंने करीब आठ वर्ष पूर्व संबंधित भूमि का विधिक रूप से बैनामा कराया था। राजस्व अभिलेखों के आधार पर वह स्वयं को वैध मालिक बताते हैं। उनका दावा है कि जमीन उनकी निजी कृषि भूमि है और वर्षों से वह उस पर खेती करते रहे हैं। किसान ने आरोप लगाया कि हाल ही में उनकी खड़ी सरसों की फसल को वन विभाग द्वारा जबरन जोत दिया गया। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उनका कहना है कि खेती ही उनके परिवार का एकमात्र सहारा है और जमीन पर कब्जे के कारण उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। अशोक कुमार का आरोप है कि इस पूरे प्रकरण में वन विभाग के अधिकारियों तथा संबंधित तंत्र द्वारा उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। न्याय की मांग को लेकर वह कई विभागीय कार्यालयों के चक्कर काट चुके हैं। अब उन्होंने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए अपनी भूमि वापस दिलाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है। फिलहाल इस मामले में वन विभाग की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय स्तर पर मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि भूमि संबंधी विवाद है तो राजस्व अभिलेखों के आधार पर स्पष्ट समाधान किया जाना चाहिए। किसान अशोक कुमार फिलहाल प्रशासनिक हस्तक्षेप और न्याय की प्रतीक्षा में हैं। मामला राजस्व एवं वन विभाग के अधिकार क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खो बैराज में कूदे युवक का चौथे दिन भी सुराग नहीं, रेस्क्यू जारी

शेरकोट/धामपुर (सब का सपना):- जनपद के शेरकोट स्थित खो बैराज में छलांग लगाने वाले धामपुर निवासी 22 वर्षीय योगेश सैनी का चौथे दिन भी कोई पता नहीं चल सका है। बीते शनिवार को योगेश द्वारा अचानक बैराज में कूदने की सूचना के बाद से प्रशासन और गोताखोरों की टीमें लगातार सर्च अभियान चला रही हैं, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है। बताया जा रहा है कि बैराज में जलस्तर अधिक होने और पानी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। गोताखोरों की टीम संभावित स्थानों पर तलाश कर रही है, वहीं पुलिस भी आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए है। प्रशासन का कहना है कि हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और अभियान लगातार जारी रहेगा। इधर युवक की बरामदगी न होने से आक्रोशित परिजन एसडीएम कार्यालय पहुंच गए और प्रदर्शन करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की। परिजनों का कहना है कि चार दिन बीत जाने के बाद भी कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है, जिससे परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय और थाना प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता कर उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ तलाश अभियान चला रहा है और किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही।

आश्वासन के बाद परिजन शांत हो गए, हालांकि परिवार में अब भी गहरी चिंता और मायूसी का माहौल है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और किसी भी सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस से संपर्क करें।

होली से पूर्व शहर में गूंजे फाग गीत, महिलाओं ने मनाया फागोत्सव

सम्भल(सब का सपना):- शहर में होली का त्योहार नजदीक आते ही गली-मोहल्लों और मंदिरों में फाग उत्सव की धूम मची हुई है। जगह-जगह महिलाएं फागणिया पोशाक में सज-धजकर पारंपरिक फाग गीतों की प्रस्तुतियां दे रही हैं, जिससे वातावरण पूरी तरह रंगमय और भक्तिमय हो गया है। मंगलवार को सरायतरीन के मोहल्ला पीला खदाना स्थित दक्ष प्रजापति महिला समाज की अध्यक्ष सीमा आर्या के आवास पर भव्य फागोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने ह्यसांवरिया होली खेलेह्व सहित अनेक पारंपरिक फाग और होरी गीत प्रस्तुत किए। गीतों की मधुर धुन पर महिलाएं झूमती नजर आईं और पूरे माहौल में उत्साह और उमंग का संचार हो गया। इस अवसर पर होरी गायन के साथ पुष्प होली भी खेली गई। महिलाओं ने एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर होली की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक लोकगीतों और फागुन के गीतों से माहौल सराबोर रहा। फागोत्सव में बबली आर्या, आशा आर्या, रेखा आर्या, नीरू, सरिता, मंजू, बविता, प्रेमवती, सीमा, आदेश, मिथलेश, रानी, पूनम, गीता, पिंकी, कमलेश, तनु, जावित्री, लवली, कृष्णा, कंचन सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं। आयोजन के अंत में सभी ने मिलकर होली के पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने का संकल्प लिया।

डूडा कॉलोनी में आवास योजना पर सवाल, अपात्रों को लाभ देने का आरोप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला कायस्थी सराय, हरेवली बढ़ावाला रोड चुंगी स्थित नगर पालिका की भूमि पर डूडा विभाग द्वारा वर्ष 2005 में निर्मित ह्यबाल्मीकि मलिन बस्ती अम्बेडकर आवास योजनाह्व के अंतर्गत बनाए गए 52 आवासों की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। योजना गरीब एवं बेसहारा परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, लेकिन आरोप है कि अधिकांश आवास अपने मूल उद्देश्य से भटक चुके हैं। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद आवासों का आवंटन कथित रूप से अपात्र व्यक्तियों को कर दिया गया। आरोप है कि कुछ लाभार्थियों के पास पहले से पक्के मकान, कृषि भूमि और संपन्न संपत्ति होने के बावजूद उन्हें आवास दे दिए गए। यह भी चर्चा है कि आवंटन प्रक्रिया में दलालों और संबंधित अधिकारियों की सांठगांठ रही। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ आवासों को दुकानों में तब्दील कर दिया गया है, जबकि कई आवास किराये पर चढ़े हुए हैं। योजना की शर्तों के अनुसार लाभार्थी को स्वयं उस आवास में निवास करना था तथा न तो उसे बेचा जा सकता था और न ही किराये पर दिया जा सकता था। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। कॉलोनी में दो आवास आज भी खाली पड़े खंडहर बन चुके हैं। आरोप है कि आसपास की जमीन पर कब्जा जमाने की मंशा रखने वाले कुछ दबंग इन खंडहर पड़े आवासों की ओर नजर गड़ाए बैठे हैं। बताया जाता है कि समीप स्थित निजी कॉलोनाइजरों की जमीन तक पहुंचने के लिए रास्ता चौड़ा करने के नाम पर कुछ दीवारों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका, डूडा विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कभी कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण नहीं किया और न ही वर्तमान लाभार्थियों की सूची का सत्यापन कराया। इससे योजना की पारदर्शिता और क्रियान्वयन पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। नगरवासियों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक पात्रों को न्याय दिलाने और अवैध रूप से बेचे या किराये पर दिए गए आवासों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही खंडहर पड़े आवासों को पुनः गरीबों को आवंटित करने और भू-माफियाओं की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग भी उठाई जा रही है। यह मामला गरीबों के लिए बनी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था की गंभीरता को एक बार फिर सामने लाता है।

भाजपा विधायक राजीव तरारा ने उनकी गाड़ी पर हुए पथराव को लेकर की प्रेस वार्ता

हमले को साजिश बताते हुए जताया संदेह,की कड़ी कार्यवाही की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा विधानसभा के विधायक राजीव तरारा ने उनकी गाड़ी पर रविवार की रात हुए पथराव और हमले को लेकर सोमवार की देर शाम को उन्होंने एक प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें उन्होंने शासन प्रशासन से हमले की गहनता से जांच कर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने संदेह जताते हुए कहा है कि इस हमले के पीछे दूसरी पार्टियों से आए राजनैतिक लोग भी शामिल हो सकते हैं ,उन्होंने कहा कि वह इस घटना की मुख्यमंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे और घटना के बारे में उन्हें बताएंगे। बता दें कि रविवार की रात विधायक पर हमले में उनकी कार पर भी पथराव किया गया। आरोपियों के हमले में विधायक के रिश्तेदार सचिन कुमार व एक समर्थक भी घायल हुए हैं। विधायक ने इस संबंध में सोमवार की देर शाम प्रेसवार्ता की। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके गनर से भी गन छीनने की कोशिश की गई थी। पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि घटना के बाद उन्होंने थाना प्रभारी के अलावा एसपी को भी फोन किया। कुल मिलाकर चार बार फोन करने के बाद भी पुलिस देरी से पहुंची। पुलिस के कुछ अधिकारी सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। उन्होंने दूसरी पार्टियों से आए नेताओं पर भी हमला करवाने का शक जताया। हालांकि उन्होंने किसी नाम नहीं लिया। कहा कि आरोपियों व वहां की जमा हुई जनता व उनके समर्थकों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था।

इसके बाद भी थाने में बंद आरोपियों का वीडियो बनाकर वायरल किया गया है। उस वीडियो में आरोपियों की जाति के बारे में एक व्यक्ति पूछताछ कर रहा है। ऐसा करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी पथराव करते हुए कह रहे थे कि मुझे कोई फर्क नहीं पकड़ा है। मैं तीन साल जेल में रहकर आया हूं। मेरे पीछे बड़े लोगों का हाथ है। वह मुख्यमंत्री से मिलकर पूरी घटना के बारे में उन्हें अवगत कराएंगे।

कालका मंदिर परिसर में तीसरा विशाल भंडारा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

धनारी/संभल(सब का सपना):- जनपद के धनारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ा में मंगलवार को कालका मंदिर परिसर में तीसरे विशाल भंडारे का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन बाबा भीमसेन एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई और क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। इसके उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा। गांव के युवाओं और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग करते हुए व्यवस्थाओं को संभाला। आयोजन में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ग्रामवासियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजकों ने सभी ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर बाबा भीमसेन, पंडित मनोज कुमार गौड़, राजपाल, राधेश्याम, कमल सिंह, गोविंद कुशवाहा, राधेश्याम कुशवाहा, चंद्रकेश पाल, वीर सिंह कुशवाहा, बंटी कुशवाहा, मुकेश, भोजराज कुशवाहा, केशव कुशवाहा, रोहतास पाल, आकाश, हरिओम, रिशिपाल, अनेक सिंह कुशवाहा, बलराम कुशवाहा, दिनेश पाल, सुरेश, राजकुमार, साबर, वीरेंद्र पाल, राकेश पाल, पुष्पेंद्र पाल, नेत्रपाल कुशवाहा, लाल सिंह सहित अनेक श्रद्धालु एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

अमेरिकी बालिका के सहयोग से हुई अनोखी पहल छात्र-छात्राओं को बाटे गए जूते

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- संस्थापक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने सोमवार को अपने पैतृक गांव वजीरपुर जागीर में स्थित टेकचन्द सिंह मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल के विद्यार्थियों को जूते वितरित किए। यह विद्यालय पिछले लगभग चार दशकों से उनके पूज्य पिता की स्मृति में संचालित हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में सादगीपूर्ण आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने कहा कि ग्रामीण अंचल के कई बच्चे संसाधनों के अभाव में बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में छोटे-छोटे प्रयास भी उनके आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति उत्साह को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष बात यह रही कि जूता वितरण का यह कार्य एक अमेरिकी बालिका के स्वेच्छिक श्रम और योगदान से संभव हो सका। बताया गया कि उक्त बालिका ने स्वयं प्रयास कर सहयोग राशि जुटाई, जिससे विद्यालय के बच्चों के लिए जूतों की व्यवस्था की गई। इस पहल को अंतरराष्ट्रीय सद्भाव और मानवता का सुंदर उदाहरण बताया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से अपील की कि वे ग्रामीण शिक्षा संस्थानों की सहायता के लिए आगे आएं। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष नैपाल सिंह, प्रधानाचार्य युधवीर सिंह, अनिल कुशवाह, आनंद सिंह, नरेंद्र सिंह तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया।

विद्यालय प्रबंधन ने सहयोग देने वाली अमेरिकी बालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह और समाज के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है।

ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि संवेदनशीलता और सहयोग की भावना सीमाओं से परे होती है।

4000 इलेक्ट्रिक बसें, यमुना पार के लिए 700 करोड़... सीएम रेखा गुप्ता ने एक साल के कार्यकाल का खींचा रोडमैप

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर सरकार की उपलब्धियों को बताने के लि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार से साप्ताहिक प्रवास की शुरूआत की। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद मनोज तिवारी के साथ कार्यकताओं से संवाद किया।

सीएम ने कहा यह पहला साल दिल्ली की दिशा बदलने का कार्यकाल था और आने वाले चार साल दिल्ली की दशा बेहतर होगी। सरकार ने एक वर्ष में 4000 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतारीं, यमुना पार विकास बोर्ड का पुनर्गठन कर 700 करोड़ रुपये का फंड दिया तथा 37 नए एसटीपी लगाने की प्रक्रिया शुरू की। दिल्ली सरकार के एक साल पूरा होने पर सीएम ने साप्ताहिक प्रवास शुरू किया है।

इस दौरान सीएम ने कहा 70 अटल कैंटीन में पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और त्योहारों के लिए सिंगल विंडो परमिशन व्यवस्था लागू की गई है। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा हर क्षेत्र में सरकार ने इतना काम किया है जितना पिछले 10 साल में नहीं हुआ। स्कूलों में हाईटेक लैब और शिक्षा के सभी डिजिटल उपकरण मुहैया करवाये गए हैं।

आने वाले चार साल दिल्लीवासियों के उज्जवल समय साबित होगा। सांसद मनोज तिवारी

ने कहा कि दिल्ली में अब ऐसी सरकार है जो छोटी-छोटी समस्याओं का भी समाधान कर रही है। आयुष्मान योजना लागू कर 10 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का ऐलान किया गया है।

उन्होंने वजीराबाद मेट्रो स्टेशन का नाम जगतपुर वजीराबाद किए जाने और कावड़ रोड व सोनिया विहार रोड के चौड़ीकरण कार्य का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साप्ताहिक प्रवास शुरू किया। उन्होंने बताया कि पहला साल दिल्ली की दिशा बदलने वाला रहा और अगले चार साल में स्थिति बेहतर होगी। सरकार ने 4000 इलेक्ट्रिक बसें, यमुना पार विकास बोर्ड को 700 करोड़ रुपये और 37 नए एसटीपी जैसे कार्य किए

प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा सरकार जनता के बीच काम करती दिखाई देती है और जिम्मेदारी के साथ दिल्ली को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार पांच साल बाद काम के आधार पर वोट मांगेगी। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, जिलाध्यक्ष यूके चौधरी, नवीन मास्टर विनोद, दिल्ली सरकार में मंत्री मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, अजय महावर, जितेन्द्र महाजन, सूर्य प्रकाश खत्री, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

धनौरा मिल में गन्ना लेकर पहुंचे किसान को आया हार्टअटैक, मौत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा थाना क्षेत्र के गांव दहरा कादर बख्श के एक किसान की मंगलवार को शुगर मिल में गन्ना तौलने के बाद हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) से मृत्यु हो गई। किसान की पहचान मुनिदेव सिंह (55 वर्ष) के रूप में हुई है। बता दें कि दहरा कादर बख्श निवासी मुनिदेव सिंह पुत्र केहर सिंह मंगलवार को अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर धनौरा स्थित वेब शुगर इंडस्ट्री में गन्ना तौलने गए थे। गन्ना तौलने के बाद उन्होंने अपना ट्रैक्टर स्टार्ट किया। प्यास लगने पर वे मिल गेट के बाहर लगे नल पर पानी पीने पहुंचे, तभी अचानक उन्हें चक्कर आया और वे जमीन पर गिर पड़े।मिल के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मुनिदेव सिंह को ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लिटाकर पास के डॉक्टर के पास पहुंचाया। उन्होंने परिजनों और मिलक मोतीखेड़ा में रहने वाले रिश्तेदारों को भी सूचना दी। परिजन उन्हें धनौरा के एक अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण उन्हें गजरौला ले जाना पड़ा। गजरौला में चिकित्सकों ने जांच के बाद मुनिदेव सिंह को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने उनकी मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है।मुनिदेव सिंह के दोनों बेटे देश और प्रदेश की सेवा में कार्यरत हैं। उनका बड़ा बेटा नीतीश चौधरी सीआरपीएफ (CRPF) में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है, जबकि छोटा बेटा सावन चौधरी हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुआ है।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता का पूरा हुआ 1 साल, कहा- BJP का राजनीतिक दृष्टिकोण परिणामों पर आधारित होगा

दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने राजधानी में पिछली व्यवस्थाओं के लंबित मुद्दों को निपटाने और लगातार विकास दिखाने का अभियान शुरू कर दिया है। पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब दिल्ली में शासन में कोई ढिलाई नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अपने कामकाज को स्वयं बोलने देगी और प्रदर्शन को सीधे जनता के अनुभव से जोड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से स्पष्ट किया कि अब राजनीतिक दृष्टिकोण वादों पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित होगा। हमारा लक्ष्य ऐसा काम करना है कि चाहे अगला चुनाव नगरपालिका, विधानसभा या संसदीय स्तर का हो, जनता को हमें याद दिलाने की जरूरत न पड़े, उन्होंने कहा। पूरे 365 दिन ईमानदारी और समर्पण के साथ काम किया गुप्ता ने आगे बताया कि भावी चुनावी अभियान का मुख्य संदेश दृश्यमान विकास और उसका

क्रियान्वयन होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले वर्ष को जनता के विश्वास से प्रेरित आधारशिला अवधि के रूप में देखा है, जिसमें प्रशासनिक कामकाज की निरंतरता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने सरकार के पहले साल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा, 20 फरवरी 2025 से लेकर आज तक, किसी को भी एक दिन का आराम नहीं मिला। पूरे 365 दिन ईमानदारी और समर्पण के साथ काम किया गया। हमारा उद्देश्य नागरिकों को उनके आस-पड़ोस में प्रशासनिक गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है, जिससे दीर्घकालिक विश्वास का निर्माण हो सके। राजधानी में घर-घर जाकर जनता से संवाद दिल्ली सरकार ने राजधानी के सभी सात लोकसभा क्षेत्रों में एक सप्ताह तक चलने वाले जनसंपर्क कार्यक्रम की योजना बनाई है। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और नागरिकों से सीधे बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अभियान की रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, जब लोग दरवाजे की घंटी बजाएंगे, हमारा संदेश यह होगा कि आपने पिछली बार हमें वोट दिया और हमने मेहनत दिखाई, इसलिए आप हमें फिर से चुनेंगे। इसका उद्देश्य नागरिकों को सीधे अनुभव कराना है कि दिल्ली में शासन अब लगातार और भरोसेमंद तरीके से काम कर रहा है। चुनावी पृष्ठभूमि और भविष्य की रणनीति यह पहल फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद सामने आई है, जिसमें भाजपा ने 70 में से 48 सीटें जीतकर 26 साल बाद राजधानी में सत्ता में वापसी की। पार्टी अब आगामी नगरपालिका, संसदीय और विधानसभा चुनावों से पहले निरंतर प्रशासनिक प्रदर्शन और जनता से प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से भरोसा मजबूत करने की योजना बना रही है। राजधानी में भाजपा के नेताओं के अनुसार, पहला वर्ष आधारशिला की तरह रहा, जिसमें लगातार कार्य, जनता से संवाद और मापने योग्य परिणामों को प्राथमिकता दी गई। यह मॉडल आगामी राजनीतिक मुकाबलों में पार्टी की रणनीति को आकार देगा।

पश्चिमी दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में लगी आग, गार्ड की जलकर मौत

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली के रणहौला इलाके में सोमवार देर रात एक सरकारी स्कूल में आग लगने की घटना सामने आई है। इस हादसे में स्कूल के गार्ड की जलने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। क्या है पूरा मामला अब तक मिली जानकारी पश्चिमी दिल्ली के रणहौला थानाक्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल के गार्ड रूम में सोमवार देर रात आग लग गई। बताया जा रहा है कि जिस वक्त आग लगी उस वक्त गार्ड उसी कमरे में सो रहा था। आग इतनी अचानक और तेज लगी कि गार्ड की जलने से मौत हो गई। जांच कर रही पुलिस आग लगने कारणों का पता लगाने में जुटी है। मृतक गार्ड की पहचान 58 वर्षीय नरेश के रूप में हुई है।

दिल्ली पुलिस में पूर्व अग्निवीरों के लिए सुनहरा मौका, उपराज्यपाल ने दी 20% आरक्षण को मंजूरी

दिल्ली : दिल्ली में पूर्व अग्निवीरों के लिए सरकारी सेवा का नया द्वार खुल गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने 23 फरवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबल पदों के 20 प्रतिशत पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया है। भर्ती नियमों में संशोधन के साथ यह कदम पूर्व सैनिकों के पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इस फैसले को प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली पुलिस (नियुक्ति एवं भर्ती) नियम, 1980 के नियम 9 में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रावधानों के तहत अल्पकालिक सैन्य सेवा पूरी कर चुके अग्निवीर अब पुरुष कांस्टेबल और कार्यकारी कैडर के पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। अधिकारियों का अनुमान है कि इस निर्णय से पूर्व सैन्यकर्मियों के आवेदन में

उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आयु सीमा में छूट दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबलों के कुल 42,451 स्वीकृत पद हैं, जिन्हें अब तक सीधे भर्ती के माध्यम से भरा जाता रहा है। नई नीति के तहत इन पदों का पांचवां हिस्सा पूर्व अग्निवीर अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। भर्ती प्रक्रिया में आयु और शारीरिक परीक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण रियायतें भी दी गई हैं। सामान्यतः कांस्टेबल पद के लिए आयु सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित है, लेकिन पूर्व अग्निवीरों को अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। अग्निवीर योजना के प्रथम बैच के अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) से छूट के साथ अधिकतम पांच वर्ष तक की आयु रियायत का लाभ मिलेगा। अग्निवीर योजना वर्ष 2022 में युवाओं को सशस्त्र बलों में अल्पकालिक सेवा का अवसर देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। सेवा अवधि पूर्ण होने के बाद उनके पुनर्वास और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के अंतर्गत एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन भी किया है, जो विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अवसर उपलब्ध कराने पर कार्य कर रहा है। उत्तराखंड और हरियाणा सहित कई भाजपा शासित राज्यों ने पहले ही पुलिस और अन्य सरकारी नौकरियों में पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की घोषणा की है। अब दिल्ली पुलिस के इस कदम से प्रशिक्षित और अनुशासित पूर्व अग्निवीरों को राष्ट्रीय राजधानी में स्थायी रोजगार के अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय न केवल पूर्व अग्निवीरों को सेवा के बाद स्थिर करियर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली पुलिस को भी प्रशिक्षित और अनुशासित मानव संसाधन प्राप्त होगा, जिससे कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

लुटियंस दिल्ली में ट्यूलिप उत्सव का भव्य शुभारंभ, सड़कें तीन लाख से अधिक रंगीन फूलों से सजी

नई दिल्ली। लुटियंस दिल्ली की सड़कों पर लगे तीन लाख से अधिक ट्यूलिप खिल चुके हैं। सोमवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के चेयरमैन केशव चंद्रा, उपाध्यक्ष कुलजीत चहल और नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्र्स ने संयुक्त रूप से लुटियंस दिल्ली की सड़कों सहति शांति पथ लान में लगी ट्यूलिप प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस मौके पर एनडीएमसी के चेयरमैन केशव चंद्रा ने बताया कि शांति पथ के आसपास स्थित स्मारकों के इतिहास पर आधारित एक प्रदर्शनी शांति पथ पर खिले हुए ट्यूलिपों के बीच प्रदर्शित की गई है। उन्होंने बताया कि दूसरी बार एनडीएमसी ने एक लाख ट्यूलिप बल्बों के गमले आम जनता के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है। ये गमले शांति पथ लान, लोधी गार्डन, नेहरू पार्क, तालकटोरा गार्डन, सेंट्रल पार्क तथा एनडीएमसी की नर्सरियों (सफदरजंग मदरसा, गुरुद्वारा पार्क, पुराना किला मार्ग आदि) में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में आम जनता से अत्यधिक सराहना मिलने के बाद ट्यूलिप उत्सव के चौथे संस्करण को शुरू किया है। जो कि नई दिल्ली में भव्य पुष्प सज्जा के माध्यम से बसंत ऋतु का स्वागत कर रहा है। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी ने वर्ष 2017झ 18 में मौसम की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए परीक्षण के रूप में ट्यूलिप बल्बो का रोपण प्रारंभ किया था। मात्र 17 हजार बल्ब से शुरू हुई यह पहल अब

एक प्रमुख वार्षिक आयोजन बन चुका है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 5,17,500 ट्यूलिप बल्ब मंगाए गए , जिनमें से 3,25,000 बल्ब एनडीएमसी के लिए तथा 1,92,500 बल्ब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के थे। एनडीएमसी ने लगभग 2,25,000 बल्ब शांति पथ, सेंट्रल पार्क (कनाट प्लेस), कन्वेंशन सेंटर, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, सरदार पटेल मार्ग, मंडी हाउस, विंडसर प्लेस, शेरशाह सूरी मार्ग तथा उपराष्ट्रपति भवन के निकट स्थित गोल चक्कर सहित प्रमुख स्थलों पर लगाए गए है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त लगभग 1,00,000 ट्यूलिप बल्ब गमलों में लगाए गए थे और उन्हें आम जनता की खरीद के लिए भी उपलब्ध कराया गया है। एनडीएमसी ने लोधी गार्डन स्थित ट्यूलिप हाउस संरक्षण केंद्र में सुरक्षित रखे गए 15,000 बल्बो तथा पालमपुर स्थित वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद- हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र से प्राप्त 20,700 बल्बो का भी रोपण किया था। दूसरे वर्ष एनडीएमसी ने एक लाख गमले वाले ट्यूलिप पौधे सार्वजनिक बिक्री के लिए तैयार किए हैं।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल ने ED कर्मचारी की गोली मारकर की हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के वजीराबाद थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के दिल्ली पुलिस के हेड कस्टेबल ने पत्नी के अवैध संबंध के शक में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान गांव काठा, बागपत, यूपी के आशीष के रूप में हुई है। आशीष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में एमटीएस कर्मी था, जबकि आरोपित प्रवेश दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में हेड कांस्टेबल है, फिलहाल उसकी तैनाती उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा ट्रैफिक सर्किल में है। दोनों गांव से पड़ोसी की बारात में वजीराबाद आए थे। गोली चलते ही बारात में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आशीष के भाई अनुज के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित प्रवेश, उसके भाई संदीप व साले मेरठ के विपिन को गिरफ्तार कर लिया है और आरोपित प्रवेश की लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। वहीं वारदात में शामिल एक आरोपित विकास मौके से फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश जारी है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, आशीष अपने परिवार के साथ गांव काठा, बागपत, यूपी में रहता था। आशीष के पिता यूपी पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। रविवार को काठा से दिल्ली के वजीराबाद में पड़ोसी गौरव की बरात आई थी। बारात का इंतजाम गुलशन वाटिका, गली नंबर-14/4, वजीराबाद में था। यहां पर गांव का प्रवेश अपने भाई संदीप और साले विपिन व विकास के साथ आया हुआ था। पूरी रात को बरात का जश्न चला। सभी ने खूब शराब भी पी। तड़के बारात वापस गांव काठा जाने की तैयारी कर रही थी। इस बीच प्रवेश की आशीष के कहासुनी हो गई। उसके साथ भाई संदीप व दोनों साले विकास व विपिन भी थे। इसी दौरान प्रवेश ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर उसकी बट से पहले आशीष को पीटा। बाद में उसके सीने में गोली मारकर फरार हो गए। आशीष का भाई अनुज उसे नजदीकी अस्पताल ले गया, जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर किया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तड़के पुलिस को खबर मिली। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा। बाद में हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित प्रवेश, संदीप और विपिन को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में प्रवेश ने बताया उसे शक था कि आशीष और उसकी पत्नी के बीच अवैध संबंध है। इसी वजह से दोनों के बीच विवाद रहता था। तीन चार माह पहले प्रवेश ने आशीष के पिता सतपाल से शिकायत की थी। उस समय भी मारपीट की नौबत आ गई थी। पिता सतपाल ने बीच-बचाव कराया था। उस समय बात रफा-दफा हो गई थी। स्वजन का आरोप है कि शक की वजह से ही आरोपित ने आशीष की हत्या की।

अकसमिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन मामले में ग्वालियर से तीन और कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित हुए एआई इम्पैक्ट समिट में केंद्र सरकार के खिलाफ कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर से तीन और कार्यकताओं को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ दर्ज एफआइआर में माहौल बिगाड़ने और राष्ट्रीय एकीकरण के लिए नुकसानदायक बातें कहने के चार्ज जोड़े गए हैं। पुलिस ने बताया कि जितेंद्र यादव, राज गुज्जर और अजय कुमार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया है, जिससे इस मामले में अब तक कुल सात कार्यकर्ता गिरफ्तार हो चुके हैं। इसके अलावा पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस यूपी के महासचिव ऋतिक उर्फ मोंटी शुक्ला को भी यूपी के ललितपुर से हिरासत में लिया है और यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले ही आपराधिक साजिश, सरकारी कर्मचारी के काम में रुकावट डालना, सरकारी कर्मचारी के दिए गए आदेश को न मानना, गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने के चार्ज लगाए जा चुके हैं। बता दें कि शुक्रवार को, इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं के एक ग्रुप ने भारत मंडपम में एआइ इम्पैक्ट समिट के दौरान हाल नंबर पांच में शर्ट उतारकर यूएस डील के खिलाफ मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शन वाले दिन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकताओं को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने कहा कि मामले में बड़ी साजिश के एंगल की जांच की जा रही है।

दिल्ली के कूड़ा पहाड़ों पर नए नियमों से होगा कचरा निस्तारण, टउऊने तीसरे चरण के लिए RFP शर्तों में किया बदलाव

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तीन कूड़े के पहाड़ों का निस्तारण अब केंद्र सरकार के ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 के अनुरूप होगा। इसके लिए एमसीडी ने तीसरे चरण के तहत लैंडफिल पर शेष बचे हुए कचरे के निस्तारण के लिए आमंत्रित किए जाने वाले रिक्वेट फॉर प्रोपोजल (आरएफपी) की शर्तों में बदलाव को मंजूरी दी है। एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में गाजीपुर, भलस्वा और ओखला लैंडफिल पर पड़े हुए कचरे के निस्तारण के लिए जारी की गई आरएफपी की शर्तों में बदलाव किया गया है। इसके तहत लैंडफिल पर जो भी नया और पुराना कचरा पड़ा है उसका निस्तारण नए नियमों के तहत किया जाना है। ऐसे में जो भी एजेंसी आरएफपी में भाग लेगी उसे अब इन शर्तों का पालन करना होगा। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में इन्हें लागू किया जाना है। पूर्व के नियमों के तहत केवल दो तरह गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करके उसके निस्तारण पर जोर दिया गया था। जबकि नए नियमों में चार तरह से कचरे को अलग-अलग करके उसका निस्तारण करना है। वहीं, लैंडफिल को खत्म करने के लिए नियम बनाया गया है कि केवल लैंडफिल पर वहीं कचरा जाएगा जिसे रिसाइकिल या फिर वेस्ट टू एनर्जी के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि चूंकि नये नियमों का पालन एमसीडी को भी करना होगा इसलिए हमने इन लैंडफिल साइट के कूड़े के निस्तारण पर नई शर्तें जोड़ी हैं। उल्लेखनीय है कि ओखला लैंडफिल साइट को जुलाई 2026 तक समाप्त किया जाना है और गाजीपुर को दिसंबर 2027 तक जबकि भलस्वा लैंडफिल को दिसंबर 2026 तक खत्म किया जाना है। एमसीडी ने 30-30 लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण का कार्य दूसरे चरण के तहत शुरू कर रखा है। इसके बाद से जो कूड़ा लैंडफिल पर शेष बचेगा इसके लिए तीसरे चरण के तहत कार्य होना है। पार्षदों ने उठाया आवारा पशुओं और कुत्तों का मुद्दा स्थायी समिति की बैठक में पार्षद निगम द्वारा बेसहारा जानवरों और आवारा कुत्तों को लेकर की जाने वाली कार्रवाई से संतुष्ट नहीं दिखे। पार्षदों ने बेसहारा जानवरों के कारण होने वाली परेशानी का मुद्दा उठाया तो वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी आवारा कुत्तों के फीडिंग प्वाइंट बनाए जाने के बाद भी नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया। भाजपा पार्षद जगमोहन महलावत, राजपाल सिंह और स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सुंदर सिंह ने बेसहारा गाय के कारण होने वाली परेशानी का मुद्दा उठाया। वहीं, भाजपा की पार्षद शिखा भारद्वाज ने कहा कि आवारा कुत्तों को लेकर एमसीडी ने फीडिंग प्वाइंट बनाए हैं लेकिन कहां पर इसकी कोई जानकारी नहीं है। रोज नए-नए मामले लोगों को कुत्तों द्वारा शिकार होने के आ रहे हैं। पार्कों के सुधार के लिए आरडब्ल्यूए को राशि देने को मंजूरी एमसीडी ने पार्कों को गोद लेने वाली आरडब्ल्यूए को दी जाने वाली सहायता राशि देने की संशोधित नीति को मंजूरी दे दी है। एमसीडी के अनुसार दिल्ली के निगम पार्कों के रखरखाव के लिए सभी आरडब्ल्यूए को माली को एक समान 13,500 रुपये प्रदान की जाएगी। इसकी निगरानी निगम प्रशासन करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्वकालिक दक्षिणी और उत्तरी के साथ पूर्वी निगम में अलग-अलग दरें थी जिन्हें एमसीडी ने एकीकृत रूप से मंजूर कर दिया है। वहीं, सामुदायिक केंद्रों का उपयोग कौशल विकास केंद्रों के तौर पर किया जाएगा।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

-सैमसन को मिले अवसर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिल किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं क्योंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में

ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है ।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट । स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा ।बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग इ में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

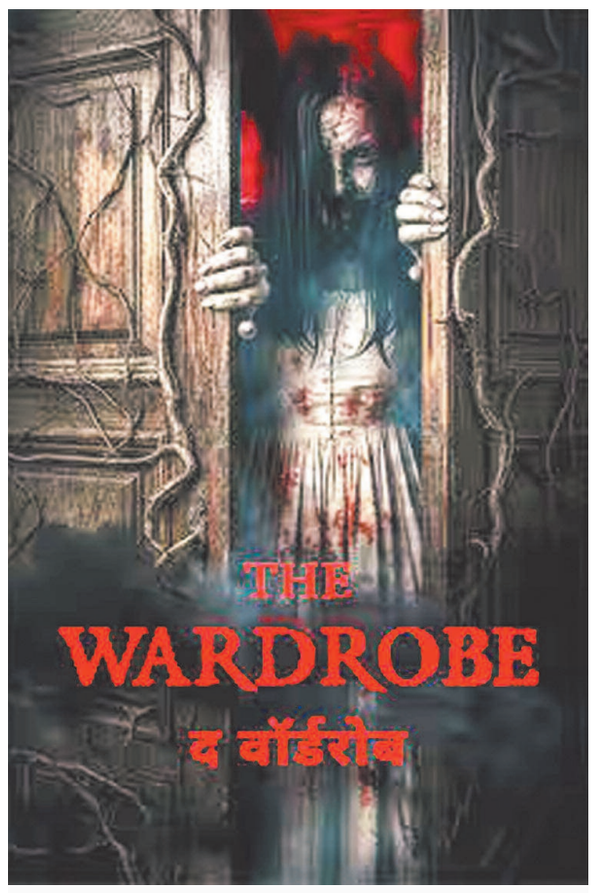

'द वॉर्डरोब' से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकीं दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

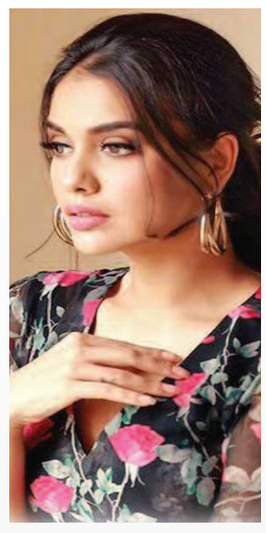

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दिव्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बेलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेज़ॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।' वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नज़र आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।

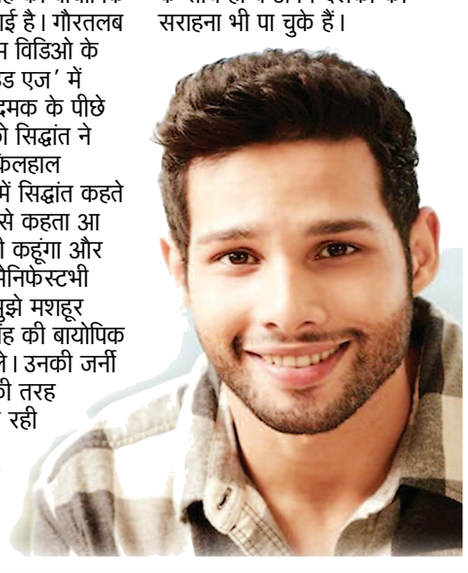

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में हृद्ध के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी अहम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्य ललवानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्य की फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी क्रेज है। संभवतः इन दोनों फिल्मों से भिड़ंत से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।'

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।